

SOCIAL WELFARE DEPARTMENT

The 4th February, 1988

No. 429A-SW(4)-88.—In pursuance of the Article 94 (a) of Memorandum and Article of Association of Haryana Women Weaker Section Development Corporation constituted under the Companies Act, 1956 (No. 1 of 1956), the Governor of Haryana hereby appoints Shri Boota Singh, M.L.A. of Guhla, as Director of the Haryana Women Weaker Sections Development Corporation.

2. Further in pursuance of Article 94 (b) of the aforesaid Article of Association, the Governor of Haryana appoints Shri Boota Singh, M.L.A., Director of the Nigam as Chairman of the Haryana Women Weaker Sections Development Corporation with immediate effect.

WELFARE OF SCHEDULED CASTES AND BACKWARD CLASSES DEPARTMENT

The 4th February, 1988

No. 429-SW(4)/88.—In pursuance of Article 94 (a) of Memorandum and Article of Association of Haryana Backward Classes Kalyan Nigam constituted under the Companies Act, 1956 (No. 1 of 1956), the Governor of Haryana hereby appoints Shri Boota Singh, M.L.A. of Guhla, as Director of the Haryana Backward Classes Kalyan Nigam.

2. Further in pursuance of the Article 94 (b) of the aforesaid Article of Association, the Governor of Haryana appoints Shri Boota Singh, M.L.A., Director of the Nigam as Chairman of the Haryana Backward Classes Kalyan Nigam, with immediate effect.

ASHA SHARMA,

Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Welfare of Scheduled Castes and Backward Classes Department.

DEVELOPMENT AND PANCHAYAT DEPARTMENT

The 10th February, 1988

No. P.S. Election-LA-2-88/416.—In pursuance of the provision of sub-section (1) of section 12 of the Punjab Panchayat Samiti Act, 1961 (Punjab Act No. 3 of 1961), it is hereby notified that Shri Hawa Singh, son of Chandgi Ram, Sarpanch, Gram Panchayat Gharoughti is nominated as Primary Member of Panchayat Samiti Lakhan Majra, District Rohtak against the vacancy caused due to the death of the Primary Member.

L. M. GOYAL,

Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Development and Panchayat Department.

स्वास्थ्य विभाग

दिनांक 4 जनवरी, 1988

संख्या 46/14/80-5 स्वा० शा०-II.—चूंकि सरकार इस बात से सन्तुष्ट है कि हरियाणा राज्य में भयानक महामारी अर्थात् संक्रामक यकृत विकार (पीलिया) फैलने का खतरा है और इस प्रयोजन के लिये इस समय लागू विधि के साधारण उपाय अपर्याप्त हैं ;

इसलिये, अब, महामारी अधिनियम, 1897 की धारा 2 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा—

(I) उपायुक्तों को उनके अपने-अपने जिलों के क्षेत्रों में निम्नलिखित शक्तियां प्रदान करते हैं :—

(क) किन्हीं निर्दिष्ट खाद्य पदार्थों या पेयों अथवा ऐसे पदार्थों के अन्य वर्गों के जिले के किसी स्थानीय क्षेत्र में विक्रय या विक्रय के लिये प्रदर्शन या उसमें आयात अथवा उससे निर्यात को रोकना ;

- (ख) किन्हीं अस्वास्थ्यकर खाद्य अथवा पेय पदार्थों को नष्ट करने के आदेश देना ;
- (ग) किसी भी व्यक्ति को किसी भी बाजार, भवन, दुकान, स्टाल या ऐसे स्थान में जो किन्हीं खाद्य अथवा पेय पदार्थविक्रय भण्डारकरण अथवा मुफ्त वितरण के लिये उपयोग में लाया जाता है प्रवेश करने वाले ऐसे पदार्थों की जांच करने और यदि वह अस्वस्थकर पाये जायें तो जप्त करने, हटाने, नष्ट करने या उसे किसी भी ऐसे तरीके से जैसा वह उचित समझे समाप्त करने के लिये प्राधिकृत करना ताकि उसे मानवों के उपयोग करने में रोक जा सके ;
- (घ) सभी प्रयोजनों के लिये जल की सफाई हेतु उपयुक्त स्थान पृथक् करना और किसी अन्य स्रोत से जल के उपयोग के लिये प्रयोग और उस स्रोत का जितने ऐसे जल सफाई प्राण को जा सकती है समय, मोति तथा शर्तें नियमित करना ;
- (ङ) किसी वर्ग के कारखाने या वाणिज्य या खनिज जल कारखाने को बन्द करने के आदेश देना ;
- (च) स्नान के लिये उपयुक्त स्थान पृथक् करना और नहिल और तथा पुरुषों के लिये, जिनके द्वारा ऐसे स्थानों को उपयोग में लाया जा सकता है अलग-अलग समय निर्दिष्ट करना ;
- (छ) पशुओं को नहलाने और कपड़े धोने के लिये या जनत के स्वास्थ्य, सफाई अथवा सुविधा में सम्बन्धित किसी अन्य प्रयोजनों के लिये स्थान पृथक् करना ;
- (ज) खण्ड (च) के अधीन विनिर्दिष्ट व्यक्तियों द्वारा सामान्यतः भिन्न स्नान करने को अथवा ऐसे प्रयोजन के लिये नियत किये गये स्थानों में भिन्न स्थान पर पशुओं के नहलाने या कपड़े धोने को रोकना ;
- (झ) अलग-अलग शिविरों, अस्पतलों और चिकित्सा निरीक्षण चौकियों की स्थापना करना ;
- (ञ) किसी संक्रामक यकृत विकार (पीलिया) से पीड़ित व्यक्ति को अलग-अलग शिविर या अस्पताल में भेजने तथा रोके रखने के आदेश देना ;
- (ट) जिले में किसी मेले के आयोजन को रोकना ;
- (ठ) यह आदेश देना कि कोई विनिर्दिष्ट व्यक्ति या किसी विनिर्दिष्ट क्षेत्र के भीतर सभी व्यक्ति, टीका लगवायेंगे, अवयस्कों के मामले में आदेश उनके माता-पिता या अभिभावकों को सम्बोधित होंगे और तब ऐसे सभी व्यक्तियों को टीका लगवाने अपेक्षित होंगे ।

(II) निदेशक, अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप-निदेशक और सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, हरियाणा, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, उप-मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों, सभी नगरपालिका चिकित्सा अधिकारियों, सरकारी या स्थानीय निकाय अस्पतलों और औपचारिक (डिस्पेंसरियों) के कार्यकारी चिकित्सा अधिकारियों, सरकारी खाद्य निरीक्षकों, वरिष्ठ सफाई निरीक्षकों, सफाई निरीक्षकों, स्वास्थ्य निरीक्षकों, सहायक मुनिष्ठ अधिकारियों, सहायक मलेरिया अधिकारियों और सभी मैजिस्ट्रेटों को उनके अपने-अपने अधिकार-क्षेत्रों में निम्नलिखित शक्तिया प्रदान करते हैं :—

- (क) किन्हीं अस्वास्थ्यकर खाद्य अथवा पेय पदार्थों को नष्ट करने के आदेश करना ;
- (ख) किसी संक्रामक यकृत विकार (पीलिया) से पीड़ित अथवा पीड़ित होने की संभावना वाले व्यक्ति को हटाने और अलग-अलग शिविर या अस्पताल में भेजने तथा रोके रखने के आदेश देना ;
- (ग) ऐसे किसी व्यक्ति को टीका लगवाने के आदेश देना, जिसे उसकी रक्त में शून्य होने का डर हो (अवयस्कों के मामले में ये आदेश उनके माता-पिता या अभिभावकों को सम्बोधित होंगे) ;
- (घ) संक्रामक यकृत विकार के रोगियों का पता लगाने अथवा उस बीमारी का टीका लगवाने या रोगाणु-हजन के प्रयोजनार्थ किसी भी परिमर में प्रवेश करना ;

(इ) किन्हीं नालियों, परिसरों, शौचालयों, बस्त्रों, बिस्तरों या किसी अन्य वस्तु को जो उनकी राय में रोगाणुप्रस्त है या जिससे रोगाणुओं के फैलने की संभावना है सफाई या उसके रोगाणुनाशन के और किसी भी वस्तु घृणोत्पादक सामग्री, कूड़ाकंकट, बिष्ठा, गोबर या किसी प्रकार की गन्दगी को हटाने और उसे समाप्त करने अथवा उपयुक्त रोगाणुनाशकों (disinfectants) को प्रयोग में लाने के आदेश देना ;

(च) पीने के पानी को सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार की सप्लाई के क्लोरीकरण का आदेश देना ।

(III) निदेशक, अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप-निदेशक और सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवायें, हरियाणा और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को उनके अपने-अपने अधिकार-क्षेत्रों में निम्नलिखित शक्तियां प्रदान करते हैं :—

(क) जब भी जिला में संक्रामक यकृत विकार फैलने का डर हो तो नगरपालिका क्षेत्रों एवं पंचायत समितियों के अधीन क्षेत्रों के लिये विद्यमान पद संरचना से दूरने पदे तक महतरो या सफाई मजदूरों, सफाई निरीक्षकों या वरिष्ठ सफाई निरीक्षकों के पद बनना और उक्त पदों को जिले के संक्रामक यकृत विकार (पीलिया) से मुक्त होने की घोषणा की तिथि से एक मास तक अस्थायी रूप में भरना और यह आदेश देते हैं कि घर का मुखिया या घर का कोई व्यक्ति सदस्य ;

(ख) प्रत्येक पंजीकृत प्राइवेट चिकित्सा व्यवसायी जिसे किसी घर में संक्रामक यकृत विकार (पीलिया) होने का ज्ञान हो, इसकी सूचना इसके पता लगने से चौबीस घण्टे के भीतर ग्राम पंचायत के सरपंच को या उसके न होने पर गांव के जम्बरदार को या किसी स्थानीय अस्पताल/औषधालय के कार्यभारी चिकित्सा अधिकारी को या नगरपालिका के सचिव को देगा जिनके अधिकार-क्षेत्र में वह रहता है या व्यवसाय करता है जो बाद में मामले की रिपोर्ट सम्बन्धित मुख्य चिकित्सा अधिकारी को देने का जिम्मेदार होगा ;

(ग) यह निर्देश देते हैं कि खण्ड (I) के अधीन सम्बन्धित उपायुक्त द्वारा जारी किया गया कोई आदेश उस स्थानीय क्षेत्र में तब तक लागू रहेगा जब तक ऐसा स्थानीय क्षेत्र मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सरकारी तौर पर संक्रामक यकृत विकार से मुक्त घोषित नहीं कर दिया जाता । यह निर्देश देते हैं कि इस आदेश के अधीन सशक्त किसी व्यक्ति द्वारा इसके द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए किये गये किसी उपाय की लागत उस पंचायत समिति या नगरपालिका द्वारा जुटाई जायेगी जिसके अधिकार-क्षेत्र में ऐसा उपाय किया जाये और इसकी वसूली करने के लिये हरियाणा द्वारा खजाने में सम्बन्धित स्थानीय प्राधिकरण की निधियों के बकायों में से कटौती द्वारा की जा सकती है ।

यह आदेश इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से 31 दिसम्बर, 1988 तक लागू रहेगा ।

टी० डी० जोगपाल,
आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
स्वास्थ्य विभाग ।